

दिल्ली विधान सभा

सभाघर भाग-2

॥ विधान सभा एवं अन्य मामलों से सम्बन्धित सामान्य जानकारो ॥  
मंगलवार, 12 दिसम्बर, 1995 / मार्गशीर्ष 21, 1917 शक ॥

संख्या. 229

गैर सरकारी सदस्यों के संकल्प

निम्नलिखित संकल्पों पर जो 24 मार्च और 31 मार्च, 95 को सदन को बैठक में पहले ही प्रस्तुत किए गए थे, उन पर आगे चर्चा होगी और ऐसे संकल्पों, जिन्हें बैलेटिंग में प्राथमिकता प्राप्त हुई है उन पर शुक्रवार 22 दिसम्बर, 1995 को चर्चा की जाएगी।

26.3.95

संकल्प सं.	सदस्य का नाम	संकल्प का विषय	सदन में प्रस्तुत
1.	श्री मुकेश शर्मा	यह सदन संकल्प करता है कि भूमि अधिग्रहण के नोटिस जारी करने से पूर्व जमीन का मुआयना किया जाए और मौके पर जमीन खाली होने की स्थिति में ही भूमि अधिग्रहण के नोटिस जारी किए जाए।	24.3.95
2.	श्री राजेन्द्र गुप्ता ॥मालवीय नगर॥	यह सदन संकल्प करता है कि समयबद्ध ढंग से सभी परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने तथा सड़कों के रख-रखाव के प्रति एक समन्वयात्मक दृष्टिकोण अपनाने को दृष्टि से स्लम बोर्ड को ही भांति एक दिल्ली सड़क बोर्ड बनाया जाए, जिसका प्रगति संबंधी प्रतिवेदन मुख्यमंत्री द्वारा छः माह के अंतराल से सदन में रखा जाए।	31.3.95
	श्री नन्द किशोर गर्ग	यह सदन संकल्प करता है कि दिल्ली में तेज़ी से बढ़ रही वाहनों को सख्या को कम करने तथा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और ट्रेफिक जाम आदि समस्याओं का निदान करने के लिए सरकार एम. आर. टी. एल. ५ मास टैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम की योजना को शीघ्र-तिमोघ्र कार्यान्वित करे।	

4. डा. ए.के. वालिया

यह सदन संकल्प करता है कि पूर्वोक्त दिल्ली को जिसको आबादी दिल्ली की कुल आबादी का  $1/3$  है कुल जल आपूर्ति का  $1/3$  भाग दिया जाए।

5. श्री गौरी शंकर भरद्वाज

यह सदन संकल्प करता है कि दिल्ली के विद्यालयों में प्रथम कक्षा से द्वादश कक्षा तक को ६। से 12५ कक्षाओं के लिए निर्धारित विभिन्न विषयों की पाठ्य पुस्तकों से वैदिक वाङ्मय, भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला व साहित्य, राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र एवं दर्शन शास्त्र के संबंध में प्रकाशित सभी भ्रान्त धारणाओं एवं पाश्चात्य विचारकों द्वारा प्रस्तुत सभी मान्यताओं वाले अंशों को निकाल दिया जाए तथा उनके स्थान पर ऐतिहासिक गवेषणाओं व पुरातत्त्व साक्ष्यों से प्रमाणित तथ्यपरक सिद्धान्तों वाले अंशों का समावेश किया जाए ताकि छात्रों को भारतीय की स्पष्ट सत्य पहचान का ज्ञान कराया जा सके। पाठ्य पुस्तकों में उक्त संशोधन हेतु शिक्षा शास्त्रियों इतिहासविदों एवं विद्वान शिक्षकों की एकसमिति गठित की जाए तो राष्ट्रीय पैदायिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् (एन. सी. इ. आर. टी.) तथा दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो के पाठ्यक्रम का संगोहित प्रारूप स्वीकृति हेतु भेजे।



DELHI LEGISLATIVE ASSEMBLY

BULLETIN PART - II

(General information relating to Assembly & other matters)  
 Tuesday, December 12, 1995/Margsheersh 21, 1917 (Saka)

No. 229

PRIVATE MEMBERS' RESOLUTIONS

FURTHER discussion on the following resolutions which were introduced earlier in the sitting of the House on 24th March and 31st March, 1995, and the resolutions which have obtained the priority in the balloting shall take place on Friday, the 22nd December, 1995 :-

Resolution No.	Name of Member	Text of Resolution	Introduced on
1.	Sh. Mukesh Sharma	This House resolves that before issuance of notices of land acquisition, the land be inspected and notices issued only if the land is found to be vacant at the spot.	24.3.95
2.	Sh. Rajender Gupta (Malviya Nagar)	This House resolves that for ensuring time bound implementation of various projects and to adopt and co-ordinate unified approach towards maintenance of roads, a Delhi Road Board on the lines of Delhi Slum Board be set up. Progress report of this be presented in the House by the Chief Minister after an interval of 6 months in a year.	31.3.95
3.	Sh. Nand Kishore Garg	This House resolves that "the Government may implement the MRTS (Mass Rapid Transport System) on top priority basis with a view to minimise number of vehicles, and to check environmental pollution and traffic jams etc."	

4. Dr. A.K. Walia This House resolves that East Delhi having 1/3rd population of Delhi be given 1/3rd of the total water supply of Delhi.
5. Sh. Gauri Shankar Bhardwaj This House resolves that all the portions having illusory concepts and views based on Western ideology be deleted from the text books prescribed for primary to Senior Secondary level (from class I to XII) in Delhi Schools published about vedic literature, Indian culture, History, Art and Literature, Political Science, Sociology and Philosophy and the same be substituted by relevant facts/portions as have been established by historical researches & archaeological evidences so as to make the students aware of the real Indian vision and facts with a view to carry out the the above curriculum amendments. A Committee of Educational experts including historians & eminent academicians be constituted who shall submit its recommendations to NCERT & Delhi Text Book Bureau regarding revised syllabus for approval.

P.N. GUPTA  
SECRETARY